प्रादर्श प्रश्न पत्र 2011
विषय – सामाजिक विज्ञान (Social Science)
कक्षा – दसवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

Time- 3 Hours **Maximum Mark – 100**

निर्देश–

i. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

ii. प्रश्न पत्र में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़कर उत्तर लिखिए।

iii. प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिनके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, सत्य/असत्य, सही जोड़ी बनाना, एक वाक्य में उत्तर तथा सही विकल्प का चयन करना है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। 1x5= 5x5 = 25 अंक

iv. प्रश्न क्रमांक 6 से 21 तक में आन्तरिक विकल्प दिये गये है।

v. प्रश्न क्रमांक 6 से 12 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 75 शब्दों में लिखना है।

vi. प्रश्न क्रमांक 13 से 19 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में लिखना है।

vii. प्रश्न क्रमांक 20 तथा 21 में प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखना है।

Instructions –

i. All question are compulsory.

ii. Please the instructions carefully before writing the answer.

iii. Q. No. 1 to 5 are objective type which contain fill up the Blank, True/False, match the column, one sentence answer and choose the correct answers. Each question is allotted 5 marks. 1x1 = 5x5 =25 Marks.

iv. Internal options are given in Q. No. 6 to 21.

v. Q. No. 6 to 12 carry 4 marks each and answer should be given in about 75 words.

vi. Q. No. 13 to 19 carry 5 marks each and answer should be given in about 120 words.

vii. Q. No. 20 and 21 carry 6 marks each and answer should be given in about 150 words.

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(अ) सामाजिक वानिकी योजना को वित्तीय सहायता प्राप्त हो रही है –

(i) राज्य सरकार से (ii) विश्व बैंक

(iii) वन विभाग से (iv) केन्द्रीय आयोग से

(ब) कौन सा कारक मृदा निर्माण में सहयोगी नहीं है :–

(i) वायु और जल (ii) पानी का इकट्ठा होना

(iii) तापमान (iv) सड़े गले पेड़ पौधे

(स) भारत में सर्वाधिक रबर का उत्पादन होता है–

(i) केरल (ii) तमिलनाडु

(iii) तापमान (iv) कर्नाटक

(द) मध्यप्रदेश किस खनिज के उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान रखता है –

(i) लोहा (ii) अभ्रक

(iii) सोना (iv) हीरा

(इ) भारत में टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी किस राज्य में है –

(i) उत्तरप्रदेश (ii) पंजाब

(iii) झारखण्ड (iv) राजस्थान

Choose correct option -

(a) Economic help for Social forestry scheme is obtained from

(i) State government (ii) World Bank

(iii) Forest department (iv) Central government

(b) Which factor does not help in formation of the soil :-

(i) Wind and water (ii) Water accumulation

(iii) Temperature (iv) Decompsed plants

(c) Largest producer of Rubber in India is :-

(i) Kerala (ii) Tamil Nadu

(iii) Assam (iv) Karnataka

(d) Madhya Pradesh Ranks first in the production of which of the following minerals

(i) Iron (ii) Mica

(iii) Gold (iv) Diamond

(e) In which state of India is Tata Iron and Steel located:-

(i) Uttar Pradesh (ii) Punjab

(iii) Jharkhand (iv) Rajasthan

प्रश्न 2. स्तंभ ' अ' के लिए स्तंभ 'ब' से चुनकर सही जोड़ियां बनाइए –

	अ	**–**	**ब**
(अ)	बेगम हजरत महल	–	दिल्ली
(ब)	मंगल पाण्डे	–	बिठुर
(स)	तात्या टोपे	–	अवध
(द)	नाना साहेब	–	बैरकपुर
(इ)	बहादुर शाह जफर	–	शिवपुरी
		–	कानपुर
		–	आगरा

Match the correct pair for column 'A' choosing from column 'B'.

	A	-	B
(a)	Begum Hazrat Mahal	-	Delhi
(b)	Magal Pandey	-	Bithur
(c)	Tatya Tope	-	Awadh
(d)	Nana Saheb	-	Barrackpur
(e)	Bahadur Sahah Jafar	-	Shivpuri
			Kanpur
			Agra

प्रश्न 3. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(i) रानी लक्ष्मीबाई ने .....की मदद से ग्वालियर पर अधिकार कर लिया।

(ii) भारतीय संविधान में अनुच्छेद ..... के अंतर्गत जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा दिया गया है।

(iii) राष्ट्रीय आपातकाल अब तक ..... बार घोषित हो चुका है।

(iv) भारत और चीन युद्ध सन् ..... में हुआ था।

(v) 1965 के भारत पाक युद्ध का कारण ..... था।

Fill in the blanks.

(i) Rani Laxmibai acquired Gwalior with the help of …….

(ii) Jammu and Kashmir has been given Special status in the ……. article of Indian constitution.

(iii) National emergency has been declared in India …….time so for.

(iv) War between India and china was fought in …….

(v) The reason of war in 1965 between India and Pakistan was …….

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

(अ) कागज बनाने के लिए कौन–कौन से कच्चे माल की आवश्यकता पड़ती है।

(ब) इंडियन एयर लाइंस का मुख्यालय कहां है?

(स) रेक्टर पैमाने पर क्या मापा जाता है?

(iv) बहिष्कार का क्या अर्थ है?

(v) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का श्रेय किस अंग्रेज अधिकारी को जाता है?

Answer in one sentence.

(i) What is the raw materials used in paper industry?

(ii) where is the head quarter of Indian airlines?

(iii) What is mcasured on the richter scale ?

(iv) What is boycott?

(v) Which British officer credited for the establishment of Indian National Congress.

प्रश्न 5. निम्नलिखित में सत्य अथवा असत्य बताइये –

(अ) शिक्षा एवं स्वास्थ्य सामाजिक अधोसंरचना के अंग हैं।

(ब) सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था का द्वितीयक क्षेत्र है।

(स) स्वर्णिम चतुर्भुज का संबंध कृषि से है।

(द) कृषि प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत आती है।

(इ) भारत में संचार सेवा 1837 ई. में आरंभ हुई थी।

State True of False

1. Education and health are the parts of social infra structure.
2. The service sector is the secondary sector of economy.
3. Golden Quadrilateral is related to agriculture.
4. Agriculture is included in primary sector.
5. In India Communication services was started in 1837.

प्रश्न 6. लोहा इस्पात उद्योग आधारभूत उद्योग क्यों कहलाता है।

Why is Iron and Steel industry called basic Industry?

अथवा

Or

वन आधारित उद्योग कौन–कौन से है? पश्चिम बंगाल में कागज उत्पादन केन्द्र किन–किन स्थानों पर है?

Which are the forest based Industries? Where are paper units set up in west Bengal ?

प्रश्न 7. आंतरिक जल परिवहन की प्रमुख बाधायें कौन–कौन सी है?

Which are main hinderances of the internal navigational transport?

अथवा

Or

उपग्रह संचार सेवा से क्या तात्पर्य है?

What is meant by satellite communication services?

प्रश्न 8. सुनामी से क्या आशय है?

What is meant by Tsunami?

अथवा

Or

आपदा से क्या तात्पर्य है?

What is meant by disaster?

प्रश्न 9. प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पश्चात ब्रिटिश सरकार ने शासन व्यवस्था में क्या परिवर्तन किये?

What changes were Introduced by the British govt. in the administration after first straggle for freedom

अथवा

Or

अंग्रेजी शासन से भारतीय शासकों में असंतोष के क्या कारण थे?

Why were the Indian rulers angry with the british rule.

प्रश्न 10. भारतीय विदेश नीति की प्रमुख विशेषताएँ बताईये।

Write main characteristics of Indian foreign policy?

अथवा

Or

ताशकंद समझौते की महत्वपूर्ण शर्ते क्या थी।

What were the conditions laid down for the “Tashkand Agreement”

प्रश्न 11. लोकसभा के सदस्यों की योग्यताएँ लिखिये।

Write the qualifications of a member of the House of people.

अथवा

Or

जिला पंचायत के कार्य बताइये।

Describe functions of district panchayat.

प्रश्न 12. राष्ट्रीय आय क्या है? राष्ट्रीय आय के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण दो बातें लिखिए।

What is National Income? Write any two important facts related to National Income.

अथवा

Or

प्रति व्यक्ति आय क्या है? व इसकी गणना का सूत्र लिखिए।

What is per capita income? Write the formula for calculating it.

प्रश्न 13. निम्नलिखित मौसमी दशाओं को स्पष्ट करने हेतु संकेत बताइये –

(अ) कुहरा

(ब) ओला

(स) सम्पूर्ण मेघाच्छादन

(द) हिम

(इ) शांत वायु

Draw symbol/signs to show the following weather conditions.

(a) Fog

(b) Hail

(c) Full cloud

(d) Snow

(e) Calm wind

अथवा

Or

भारत के मानचित्र में निम्न को दर्शाइये –

(अ) अरब सागर

(ब) चावल उत्पादक एक क्षेत्र

(स) बाम्बे हाई

(द) कर्क रेखा

(इ) अरावली पर्वत

Indicate the following on the Map of India.

(a) Aralrian Sea

(b) One Rice Producing area

(c) Bombay High

(d) Tropic of Cancer

(e) Aravalli Mountains

प्रश्न 14. अंग्रेजों की आर्थिक शोषण की नीति ने भारतीय कुटीर उद्योगों के कैसे प्रभावित किया।

How were the cottage industries affected by British policy of economic exploitation?

अथवा

Or

भारत में बसने वाले यूरोपियों ने इलबर्ट बिल का विरोध क्यों किया?

Why did the Europeans Staying in India protest against the Illbert Bill?

प्रश्न 15. बंगाल विभाजन कब किया गया तथा इसके पीछे ब्रिटिश शासन के क्या उद्देश्य थे।

When did partition of Bengal take place? and what were the objectives of British government behind this?

अथवा

Or

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गांधी जी ने किन तरीकों को अपनाने के लिए कहा?

Which methods Gandhiji advised to adopt during the freedom Movement?

प्रश्न 16. भारतीय संविधान का अर्थ बताते हुए चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Write the meaning of constitution and write down the characteristics of Indian Constitution (any four)

अथवा

Or

भारतीय नागरिकों को कौन–कौन से मौलिक अधिकार प्राप्त है?

What are the fundamental rights of Indian citizen.

प्रश्न 17. मादक पदार्थों का शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है।

What is the affects of drugs on the body?

अथवा

Or

साम्प्रदायिकता को दूर करने के उपाय बताइये।

Describe the measures to combat communalism.

प्रश्न 18. उपभोक्ता जागरूकता की आवश्यकता एवं महत्व बताइये।

Describe the necessity and importance of consumer awareness

अथवा

Or

उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम क्या है। इसको बनाने के उद्देश्य बताईय।

What is consumer protection Act. and describe its Aims.

प्रश्न 19. पूंजीवादी आर्थिक प्रणाली की विशेषताएं बताइये। (कोई पांच)

State the characteristics of Capitalism (Any five)

अथवा

Or

मिश्रित अर्थ व्यवस्था से आप क्या समझते है? इसके कोई चार दोष बताइए?

What do you mean by mixed economy? Write any four demerits of mixed economy.

प्रश्न 20. मृदा अपरदन के कारण तथा संरक्षण के प्रमुख तरीकों की व्याख्या कीजिए?

Write the causes of soil-erosion and discuss the main method of its conservation.

अथवा

Or

वनों से होने वाले तीन प्रत्यक्ष एवं तीन अप्रत्यक्ष लाभ लिखिए।

Describe three direct and three indirect advantage of forests.

प्रश्न 21. कश्मीर समस्या क्या है? संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने इस समस्या के समाधान के लिए किन पांच देशों का दल बनाया था।

What is Kashmir problem? for the solution of Kashmir problem team of which five countries was constituted by the security council of the united Nations organization.

अथवा

Or

भारत–बांग्लादेश संबंधों का वर्णन कीजिए।

Describe the relation between India and Bangladesh.

– – – – – –

आदर्श उत्तर

विषय – सामाजिक विज्ञान (Social Science)
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ट प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. सही विकल्प –

(i) विश्वबैंक

(ii) पानी का इकट्ठा होना

(iii) केरल

(iv) हीरा

(v) झारखण्ड

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे। 1+1+1+1+1=5

उत्तर 2. सही जोडियां –

	अ	–	ब
(i)	बेगम हजरत महल	–	अवध
(ii)	मंगल पाण्डे	–	बैरकपुर
(iii)	तात्या टोपे	–	शिवपुरी
(iv)	नाना साहेब	–	बिठुर
(v)	बहादुर शाह जफर	–	दिल्ली

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे। 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. रिक्त स्थान –

(i) तात्या टोपे

(ii) 370

(iii) 3

(iv) 1962

(v) कच्छ का रण क्षेत्र

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे। 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. एक वाक्य में उत्तर –

(1) कपड़े के चिथड़े, जूट, गन्ने की छाल, कागज उद्योग में कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है।

(2) इंडियन एअर लाइन्स का मुख्यालय दिल्ली में स्थित है।

(3) रेक्टर पैमाने पर भूकम्प की तीव्रता और परिमाण को मापा जाता है।

(4) बहिष्कार का अर्थ विदेशी वस्तुओं के साथ–साथ सरकारी सेवाओं प्रतिष्ठानों तथा उपाधियों का बहिष्कार करना।

(5) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का श्रेय ए.ओ. ह्यूम को जाता है।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे। 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. सत्य / असत्य –

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) असत्य

(iv) सत्य

(v) सत्य

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे। 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6. लोहा इस्पात उद्योग आधारभूत उद्योगों में से एक महत्वपूर्ण उद्योग है। किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिए लोहा एवं इस्पात उद्योग का विकास आवश्यक होता है। इस उद्योग की गणना महत्वपूर्ण उद्योगों में की जाती है। किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था का यह आधार स्तंभ होता है। यह आधुनिक औद्योगिक ढांचे का आधार और राष्ट्रीय शक्ति का मापदंड है। लोहाइस्पात उद्योग का

उपयोग अस्त्र–शस्त्र एवं कृषि यंत्र आदि बनाने में किया जाता है, इसीलिए लोहा–इस्पात उद्योग को आधार भूत उद्योग कहा जाता है।

उपरोक्तानुसार सही विस्तार करने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

वन आधारित उद्योग निम्न लिखित है – कागज उद्योग, दिया सलाई उद्योग, लाख उद्योग, चमड़ा उद्योग, औषधि उद्योग, गोंद उद्योग, मोम उद्योग आदि।

पश्चिम बंगाल में कागज उत्पादक प्रमुख केन्द्र–टीटागढ़, रानीगंज, नैहाटी, कोलकाता, कॉकिनाडा, बड़ानगर, शिवराफली आदि है।

वन आधारित उद्योगों के नाम लिखने पर 2 अंक एवं कागज उत्पादन केन्द्रों के स्थान बताने पर 2 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. बाधाएं (1) देश की अधिकांश नदियां मौसमी है कुछ नदियां ग्रीष्म काल में सूख जाती है और कुछ नदियों की जल धारा इतनी पतली व उथली होती है कि उनमें नावें या स्टीमर नहीं चलाये जा सकते है।

(2) वर्षा ऋतु में वर्षाजल की अधिकता एवं तीव्र बहाव के कारण नदियों का परिवहन के लिए उपभोग नहीं हो पाता है।

(3) दक्षिण भारत की नदियां पथरीले भागों में बहती हुई प्रपात बनाती है जिससे नदियों में नावों को चलाया नहीं जा सकता।

(4) सिंचाई हेतु नदियों से नहरें निकाली गई है जिससे नदियों में जल स्तर तो कम हो ही जाता है, मार्ग में द्वार व बंद बनानेसे मार्ग बाधा युक्त हो जाने से परिवहन में योग्य नदियां नौ संचालन के योग्य नहीं रहती है।

उपरोक्तानुसार सही विस्तार करने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

वैज्ञानिकों ने मानक हितों की पूर्ति के लिए मशीनीकृत उपग्रह तैयार कर रॉकेटों की सहायता से अंतरिक्ष में स्थापित किया है। ये कृत्रिम उपग्रह पृथ्वी का चक्कर लगाते हुए मौसम, प्राकृतिक संसाधनों, सैनिक गतिविधियों आदि की जानकारी चित्र व मानचित्र के माध्यम से पृथ्वी पर भेजते हैं। आर्य भट्ट, एप्पल इन्सेट, आई.आर.एस. कृत्रिम उपग्रह इसी दिशा में किये गये प्रयास है।

उपरोक्तानुसार सही विस्तार करने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. भूकम्प और ज्वालामुखी से महासागरीय धरातल में अचानक हलचल पैदा होती है और महासागरीय जल का अचानक विस्थापन होता है। परिणाम स्वरूप समुद्री जल में उर्ध्वाधर ऊंची तरंगे पैदा होती है। इन्हें सुनामी या भूकम्पीय समुद्री लहरें कहा जाता है।

सामान्यतः शुरू में सिर्फ एक उर्ध्वाधर तरंग, ही पैदा होती है, परंतु कालान्तर में जल–तरंगों की एक श्रृंखला बन जाती है। जल तरंग गति उथले समुद्र में कम और गहरे समुद्र में ज्यादा होती है। गहरें समुद्रों में सुनामी लहरों की लम्बाई अधिक और ऊंचाई 15 मीटर या इससे अधिक हो सकती है। इससे तटीय क्षेत्र में भीषण विध्वंस होता है।

उपरोक्तानुसार सही विस्तार करने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आपदा एक मानव जनित या प्राकृतिक विपत्ति है। जिससे निश्चित क्षेत्र में आजीविका तथा सम्पत्ति की हानि होती है , जिसकी परिणति मानवीय वेदना तथा कष्टों में होती हैं।

अतः वे समस्त आपदाये जो प्रकृति में विस्तृत रूप से घटित होती है। और मानव समुदाय को असुरक्षित एवं संकट में डालते हुए मानवीय दुर्बलताओं

को दर्शाती है, आपदाएं हैं। जैसे भूकम्प, बाढ़, चक्रवात, सूखा, भूस्खलन, आग, आतंकवाद नाभिकीय संकट, रासायनिक संकट, पर्यावरणीय संकट आदि।

उपरोक्तानुसार सही विस्तार करने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का शासन व्यवस्था पर बहुत प्रभाव पड़ा अतः ब्रिटिश सरकार ने भारत में अनेक प्रशासनिक परिवर्तन किये –

(1) ब्रिटिश संसद ने 1858 ई. में भारत पर शासन करने का अधिकार (अधिनियम बनाकर) ईस्ट इंडिया क्र. से लेकर सीधे इंग्लैंड की सरकार ने ले लिया।

(2) 1858 के पश्चात सेना का पुनर्गठन किया गया।

(3) ब्रिटिश सरकार ने देशी रियासतों का विलय करने की नीति में परिवर्तन किया और उत्तराधिकारियों को गोद लेने के अधिकार को मान्यता प्रदान की।

(4) ब्रिटिश सरकार ने राजाओं भू–स्वामियों और जमींदारों के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाया और इस प्रकार उनका समर्थन प्राप्त करने की नीति अपनायी।

उपरोक्तानुसार सही विस्तार करने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अंग्रेजों की राज्य विस्तार की नीति के कारण भारत के अनेक शासकों और जमींदारों में असंतोष व्याप्त हो गया था। लार्ड वेलेजली की सहायक संधि व्यवस्था और लार्ड डलहौजी की हड़प नीति के कारण अनेक राज्यों को अंग्रेजी साम्राज्य में जबरदस्ती विलय कर दिया गया व शासकों से अनादरपूर्ण व्यवहार किया गया इससे भारतीय शासकों की भावनाओं को ठेस पहुंची व उनमें असंतोष व्याप्त हो गया।

उपरोक्तानुसार सही विस्तार करने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. भारत की विदेश नीति की प्रमुख विशेषताएं –

(1) भारत विश्व राजनीति में असंलग्नता की नीति का अवलम्बन करता हैं।

(2) भारत की नीति शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के सिद्धांत में विश्वास करते हुए विश्व शांति बनाये रखने के लिए हर संभव सहयोग देने की नीति का पालन किया है।

(3) भारत साम्राज्यीय एवं प्रजातीय विभेद का विरोध करता है। और पिछड़े राष्ट्रों की सहायता करने को तत्पर रहता है।

(4) भारत संयुक्त राष्ट्र संघ एवं उससे संबंधित अन्य संस्थाओं का समर्थन करता है तथा उनका सहयोग करता है।

उपरोक्तानुसार सही विस्तार करने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खां तथा भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के मध्य 19 जनवरी 1966 को ऐतिहासिक ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस समझौते की शर्ते निम्नलिखित है।

1. दोनों पक्षों ने अच्छे पड़ोसियों जैसे सम्बन्ध निर्माण करने पर सहमति व्यक्त की।
2. दोनों पक्षों ने यह सहमति व्यक्त की कि वे 5 अगस्त 1965 के पूर्व जिस स्थिति में थे, वहां से अपनी सेनाएं बुला लेंगे।
3. दोनों पक्ष ने एक दूसरे के आन्तरिक मामले में हस्तक्षेप न करने का निर्णय लिया।

उपरोक्तानुसार सही विस्तार करने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. लोकसभा सदस्य की योग्यताएं –

(1) वह भारत का नागरिक हो।

(2) उसकी आयु 25 वर्ष या उससे अधिक हो।

(3) वह केन्द्र या प्रान्त सरकारों के अधीन किसी लाभ के पद पर न हो।

(4) उसे किसी सक्षम न्यायालय ने पागल या दिवालिया घोषित न किया हो।

(5) उसे संसद के किसी कानून द्वारा चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित न किया हो।

उपरोक्तानुसार कोई चार योग्यताएं लिखने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जिला पंचायत के कार्य –

(1) जिले की आंतरिक जनपद पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों पर नियंत्रण रखना तथा उनका मार्ग दर्शन करना।

(2) जनपद पंचायत की योजनाओं का उचित ढ़ंग से समन्वय करना।

(3) जिले की उन योजनाओं को जो दो या अनेक जनपद पंचायतों के अंतर्गत विचाराधीन हैं उन्हें व्यवहारिक रूप देना।

(4) प्रमुख प्रयोजनों के लिए पंचायतों द्वारा की गई अनुदान की मांग को राज्य सरकार तक पहुंचाना।

(5) राज्य सरकार द्वारा दिये गये कार्यों को व्यवहारिक रूप देना।

(6) परिवार कल्याण, बाल कल्याण तथा खेल कूद व विकास संबंधी क्रियाकलापों से राज्य सरकारों को सलाह देना।

उपरोक्तानुसार कोई चार कार्य लिखने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. राष्ट्रीय आय :– किसी देश के श्रम व पूंजी उसके प्राकृतिक साधनों के साथ मिलकर एक वर्ष में जिन वस्तुओं व सेवाओं का शुद्ध वास्तविक उत्पादन करते है, के मौद्रिक मूल्य को राष्ट्रीय आय कहा जाता है।

(1) राष्ट्रीय आय का सम्बंध किसी अवधि विशेष या एक वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) में उत्पादित समस्त वस्तुओं व सेवाओं की मात्रा से है।

(2) राष्ट्रीय आय में सभी प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं की बाजार कीमतें सम्मिलित की जाती है, इसमें एक वस्तु की कीमत को एक ही बार गिना जाता है।

(3) इसमें विदेशों से प्राप्त आय को जोड़ा जाता है तथा विदेशियों द्वारा देश से प्राप्त आय को घटाया जाता है।

राष्ट्रीय आय से तात्पर्य 2 अंक महत्वपूर्ण बाते 2 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रति व्यक्ति आय – किसी देश की राष्ट्रीय आय को जब उस देश की कुल जनसंख्या से भाग दे दिया जाये तो हमें प्रति व्यक्ति आय प्राप्त हो जाती है। इसे ज्ञात करने के लिए निम्न लिखित सूत्र का प्रयोग किया जाता है –

$$\text{प्रति व्यक्ति आय} = \frac{\text{राष्ट्रीय आय}}{\text{देश की कुल जन संख्या}}$$

प्रतिव्यक्ति आय पर 2 अंक, गणना का सूत्र पर 2 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. संकेत

(अ) कुहरा

(ब) ओला

(स) सम्पूर्ण मेघाच्छादन

(द) हिम

(इ) शांत वायु

प्रत्येक मौसमी दशा को दर्शाने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

नक्शा

उत्तर 14. आर्थिक शोषण असंतोष को जन्म देता है। अंग्रेजी साम्राज्य की स्थापना और ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप भारतीय उद्योग–धंधों (कुटीर उद्योग) को गहरा धक्का लगा। भारत से निर्यात होने वाले माल पर चुंगी की दरें विदेशों में बढ़ा दी गयी और इंग्लैंड की निर्मित वस्तुओं के आधार पर चुंगी की छूट देकर उन्हें भारतीय बाजारों में बेचा जाने लगा। इससे कुटीर उद्योगों को भारी धक्का लगा। भारत का धन निरंतर निष्कासित होता गया जिससे आर्थिक ढांचा लड़खड़ा गया।

उपरोक्तानुसार विस्तार देने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

वाइसराय लार्ड रिपन ने जातीय भेद –भाव को दूर करने के लिए एक कानून बनाया जिसे विधि सदस्य इलवर्ट ने तैयार किया अतः इसे इलवर्ट बिल कहा जाता है। इसके द्वारा भारतीय मजिस्ट्रेट और सेशन जज को फौजदारी मुकदमों में यूरोपीय लोगों की सुनवाई का अधिकार दिया जाता था जब यह बिल जातीय भेदभाव को दूर करने हेतु लाया गया तो भारत में बसने वाले यूरोपियों ने इलबर्ट विल का संगठित होकर विरोध किया। यही मुख्य कारण था।

उपरोक्तानुसार विस्तार देने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. बंगाल का विभाजन सन् 1905 में लार्ड कर्जन द्वारा किया गया।

उद्देश्य–

(1) हिन्दुओं और मुसलमानों की संगठित शक्ति को तोड़कर उसे बांटना था।

(2) बंगाल के प्रशासन को सुधारना था। लार्ड कर्जन के अनुसार बंगाल एक विशाल प्रांत है, अतः समुचित प्रशासनिक संचालन के लिए उसका विभाजन करना आवश्यक था।

(3) बंगाल की संगठित राजनैतिक भावना को समाप्त करना तथा राष्ट्रीयता के वेग को कम करना था।

बंगाल विभाज कब हुआ पर 1 अंक उद्देश्य पर 4 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गांधी जी ने निम्न तरीकों को अपनाने को कहा –

(1) आंदोलन में अहिंसा को अपनाना–गांधी जी अहिंसा को सच्चा हथियार मानते थे। जिसमें सभी लोगों को जीतने की शक्ति होती है।

(2) आंदोलन में नैतिक साधनों के प्रयोग पर बल– गांधी जी ने नैतिकता, न्याय, पवित्रता तथा निर्भयता पर बल दिया।

(3) महात्मा गांधी द्वारा चलाये गये आन्दोलन के साधन – महात्मा गांधी के आन्दोलन पूर्णतया अहिंसात्मक थे तथा उनके प्रमुख साधन थे– व्यक्तिगत सत्याग्रह सामूहिक सत्याग्रह, विदेशी माल का बहिष्कार, शराब की दुकानों पर धरना तथा सरकारी नौकरियों का बहिष्कार था।

उपरोक्तानुसार विस्तार देने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. **संविधान का अर्थ** :– किसी देश का संविधान उस देश की राजनैतिक व्यवस्था का बुनियादी ढांचा होता है अर्थात किसी देश का शासन जिन मूलभूत नियमों व कानूनों के अनुसार चलाया जाता है, उनके संकलित प्रलेख को संविधान कहते हैं।

विशेषताएं :–

(1) लिखित एवं विशाल संविधान :– भारत का संविधान लिखित और निर्मित संविधान है जिसका निर्माण गठित संविधान सभा द्वारा किया गया। यह अन्य देशों के संविधान की तुलना में विशाल है।

(2) कठोर और लचीला : भारतीय संविधान न इतना कठोर है कि इसमें संशोधन असंभव हो। न ही इतना लचीला है कि संशोधन आसानी से हो सके अतः यह विशिष्ट प्रक्रिया द्वारा संशोधित किया जा सकता है।

(3) सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न : भारत अपनी आंतरिक व विदेशी नीतियों का निर्धारण करने में पूर्णतः स्वतंत्र है। इस पर विदेशी सत्ता का हस्तक्षेप या अधिकार नहीं है।

(4) संसदीय शासन प्रणाली : इस प्रणाली में कार्यपालिका की वास्तविक शाक्तियां मंत्री परिषद में निहित है तथा राष्ट्रपति नाम मात्र का शासक है मंत्री परिषद सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत का अनुसरण करती है।

नोटः– समाजवादी एवं पंथ निरपेक्षता, संघात्मक शासन व्यवस्था, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्याय पालिका (कोई चार) इन बिन्दुओं पर भी विवरण दिया जा सकता है।

संविधान का अर्थ पर 1 अंक, चार विशेषताओं पर 4 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मौलिक अधिकार :– नागरिकों के सर्वांगीण विकास हेतु संविधान द्वारा 6 मौलिक अधिकार दिए गए है।

(1) समानता का अधिकार :– इस अधिकार के द्वारा नागरिकों में धर्म, जाति, लिंग किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। कानून के समक्ष सभी नागरिक समान है।

(2) स्वतंत्रता का अधिकार :– नागरिकों को भाषण विचार प्रकट करने, शांतिपूर्ण सभा करने, संघ बनाने, देश में कही भी भ्रमण व निवास करने तथा देश के किसी भी भाग में व्यवसाय करने की स्वतंत्रता होती है।

(3) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार :– भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है यहां प्रत्येक नागरिक को किसी भी धर्म को मानने की स्वतंत्रता दी गई है। प्रत्येक

धर्मानुयायियों को अपनी धार्मिक संस्थाएं स्थापित करने व प्रबंधन करने की स्वतंत्रता है।

(4) शोषण के विरुद्ध अधिकार :– प्रत्येक नागरिक को शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने का अधिकार है। इसके अंतर्गत बेगार लेने का, 14 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों से मजदूरी कराने पर रोक लगाई गई।

(5) संस्कृति व शिक्षा का अधिकार :– भारतीय नागरिकों को अपनी भाषा, लिपि व अपनी संस्कृति को सुरक्षित रखने का तथा उसके विकास करने का पूरा अधिकार है।

(6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार :– इस अधिकार के द्वारा नागरिकों को अपने अन्य पांच मौलिक अधिकारों के संरक्षण का अधिकार दिया गया है। मौलिक अधिकारों का हनन होने पर नागरिक न्यायाल की शरण लेकर न्याय मांग सकते है।

मौलिक अधिकार का विस्तार देने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. मादक पदार्थों का शरीर पर प्रभाव

(1) स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव – मादक पदार्थों के सेवन से धीरे–धीरे शरीर शिथिल होने लगता है और रोग उसे घेर लेते है।

(2) मानसिक कार्य क्षमता पर प्रभाव – व्यक्ति की शारीरिक व मानसिक कार्य क्षमता घट जाती है। ज्यादा कार्य करने की शक्ति नहीं रहती है।

(3) आर्थिक स्थिति खराब होने से बच्चों का विकास अवरुद्ध होने लगता है।

(4) पारिवारिक अशांति में वृद्धि –मादक पदार्थों के सेवन से पारिवारिक अशांति में वृद्धि होती है, और मानसिक तनाव बढ़ने से पारिवारिक कलह बढ़ता है।

(5) मादक पदार्थों के सेवन से नशे के आदि व्यक्ति की जल्दी मृत्यु हो जाती है।

पांच प्रभावों का विस्तार देने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

साम्प्रदायिकता को दूर करने के उपाय –

(1) सभी धर्मों की मिली जुली प्रार्थना समाओं का आयोजन करना चाहिए।

(2) शिक्षा में प्रारंभ से ही नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को जोड़ना चाहिए।

(3) कानून लागू करने में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए।

(4) राजनीति धर्म पर आधारित नहीं होनी चाहिए।

(5) सरकार व समाज को कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जो साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देता हो।

पांच उपायों का विस्तार देने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. उपभोक्ता जागरूकता की आवश्यकता एवं महत्व :–

उपभोक्ता को जागरूक बनाने की आवश्यकता एवं महत्व निम्नलिखित बातों से स्पष्ट हो जाते है :–

(1) अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करना –

प्रत्येक व्यक्ति की आय सीमित होती है। वह अपनी आय से अधिक वस्तुएं व सेवाएं खरीदना चाहता है। इससे ही उसे पूर्ण संतुष्टि प्राप्त होती है। अतः यह आवश्यक है कि उसे वस्तुएं सही माप–तौल के अनुसार प्राप्त हों और उसके साथ किसी भी प्रकार की धोखा–धड़ी न हो, इसके लिए उसे जागरूक बनना आवश्यक है।

(2) उत्पादकों के शोषण से बचाव –

उत्पादक एवं विक्रेता उपभोक्ताओं का कई प्रकार से शोषण करते है, जैसे–कम तौलना, अधिक कीमत लेना, बिल न देना, मिलावट करना, नकली वस्तु देना। बड़ी–बड़ी कम्पनियां भी अपने विज्ञापनों से उपभोक्ताओं को भ्रमित करती है। उपभोक्ता जागरूकता ही उन्हें उत्पादकों एवं विक्रताओं के शोषण से बचाती हैं।

(3) बचत को प्रोत्साहन –

जागरूकता व्यक्तियों को फिजूलखर्ची तथा अपव्यय से रोकती है और उसे सही निर्णय लेने की प्रेरणा देती है। ऐसे उपभोक्ता सेल, छूट, मुफ्त उपहार, आकर्षक पैकिंग आदि के लालच में नहीं फंसते। इससे वे अपनी आय का सही उपयोग करने एवं आर्थिक बचत करने में सफल रहते हैं।

(4) समस्याओं को हल करने की जानकारी –

अशिक्षा, अज्ञानता एवं जानकारी के अभाव में उपभोक्ता वर्ग धोखा खा जाता है, अतः आवश्यकता है कि उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों की जानकारी दी जाये। उपभोक्ता जागृति के द्वारा उन्हें कानूनी प्रक्रिया से भी अवगत कराया जाता है जिससे वे अपनी समस्याओं को हल कर सकें।

(5) हानिकारक वस्तुओं के उपयोग पर रोक –

बाजार में अनेक ऐसी वस्तुएं भी उपलब्ध रहती है जो उपभोक्ताओं को हानि पहुंचाती है। उदाहरण के लिए सिगरेट, शराब, तम्बाकू आदि को लिया जा सकता है।

उपरोक्तानुसार बिन्दुओं का विस्तार देने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम – देश के उपभोक्ताओं की सुरक्षा हेतु 1986 में भारत सरकार द्वारा 'उपभोक्ता सुरक्ष अधिनियम' पारित किया गया। यह अधिनियम कोपरा (COPRA) के नाम से प्रसिद्ध है। इस कानून का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की शिकायतों को तुरंत निपटाने तथा कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाना है। कोपरा के अंतर्गत विवादों के निपटारे के लिए जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरों पर एक त्रिस्तरीय न्यायिक तंत्र स्थापित किया गया है। जिला स्तर पर न्यायालय 20 लाख तक, राज्य स्तरीय अदालतों में 20 लाख से एक करोड़ तक तथा राष्ट्रीय स्तर की अदालतें एक करोड़ से ऊपर की दावेदारी से संबंधित मुकदमों को देखती है।

उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम का अर्थ 2 अंक, उद्देश्य पर 3 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. पूंजीवादी आर्थिक प्रणाली की विशेषताएं–

1. उत्पत्ति के साधनों पर निजी स्वामित्व – पूंजीवादी आर्थिक प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं यह है कि इसमें उत्पत्ति के सभी साधनों पर निजी व्यक्तियों का स्वामित्व होता है। इस प्रकार पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में धन कमाने और उसका अपनी इच्छा के अनुसार उपयोग करने का अधिकार होता है।

2. आर्थिक स्वतंत्रता – पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में कोई भी व्यवसाय चुनने और उसे इच्छानुसार चलाने की स्वतंत्रता रहती है। उपभोक्ताओं को भी अपनी रूचि एवं आदत के अनुसार वस्तुओं को चुनने की स्वतंत्रा रहती है।

3. लाभ की भावना – इस प्रणाली में लाभ की भावना का सर्वोच्च स्थान है। यही कारण है कि लाभ को पूंजीवादी प्रणाली का हृदय कहा जाता है। पूंजीवाद में सभी गतिविधियों का संचालन लाभ के लिए किया जाता है। उद्यमियों का मुख्य लक्ष्य अपने लाभ को बढ़ना होता है।

4. शोषण पर आधारित – पूंजीवादी व्यवस्था में दो वर्ग होते है। यथा–पूंजीपति वर्ग और श्रमिक वर्ग। पूजीवादी वर्ग अपने लाभ को बढ़ाने के लिए बहुत कम मजदूरी देता है। इससे श्रमिकों का शोषण होता है। इसीलिए कहा जाता है कि पूंजीवादी आर्थिक प्रणाली शोषण पर आधारित रहती है।

5. प्रतियोगिता – पूंजीवादी आर्थिक प्रणाली के अंतर्गत उत्पादकों में आपस में कम मूल्य पर अधिक वस्तुएं बेचने की प्रतियोगिता होती है। उपभोक्ता भी कम से कम मूल्य पर अच्छी वस्तुएं खरीदने का प्रयास करते है। उत्पादकों में परस्पर प्रतियोगिता होने से अकुशल उत्पादक प्रतियोगिता से हट जाते है। इस प्रकार प्रतियोगिता से अर्थव्यवस्था की कार्यक्षमता बढ़ती है। इससे उपभोक्ताओं को सस्ती एवं अच्छी वस्तुएं प्राप्त होती है।

नोट :– इन बिन्दुओं के आधार पर भी विवरण लिखा जा सकता है।

(मूल्य यंत्र, अनियोजित, अर्थव्यवस्था, व्यापार चक्रों का होना, उपभोक्ता की प्रभुसत्ता)

उपरोक्तानुसार विस्तार देने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मिश्रित अर्थ व्यवस्था एक ऐसी आर्थिक प्रणाली है जिसमें सार्वजनिक व निजी दोनों क्षेत्र साथ–साथ कार्य करते हैं। इन दोनों क्षेत्रों की भूमिका अर्थव्यवस्था में इस प्रकार निर्धारित की जाती हैं जिसमें समाज के सभी वर्गों के आर्थिक कल्याण में वृद्धि हो सके। भारतीय योजना आयोग के अनुसार– 'मिश्रित अर्थव्यवस्था मं निजी एंव सार्वजनिक क्षेत्र घनिष्ट रूप से संबंधित होते हैं तथा दोनों इकाई के दो घटकों के रूप में कार्य करते है।'

मिश्रित अर्थव्यवस्था के दोष

1. दुर्बल एवं अकुशल प्रणाली :– मिश्रित अर्थव्यवस्था में पाये जाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र पूर्णतः विपरीत पद्धति से कार्य करने वाले क्षेत्र हैं जिसके कारण इनमें उचित सामंजस्य स्थापित नहीं हो पाता। परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था का कुशल संचालन नहीं हो पाता और दोनों क्षेत्र परस्पर पूरक न बनकर प्रतिस्पर्धी बन जाते है। अतः इसे एक दुर्बल और अकुशल प्रणाली माना जाता है।

2. राष्ट्रीयकरण का भय :– मिश्रित प्रणाली में निजी क्षेत्र को सदैव राष्ट्रीयकरण का भय बना रहता हैं। इस भय के कारण उद्यमियों में विनियोग के प्रति विशेष रूचि एवं प्रेरणा उत्पन्न नहीं हो पाती। राष्ट्रीयकरण के भय के कारण विदेशी उद्यमी भी इन देशों में अपनी पूंजी का निवेश नहीं करते। प्रजातांत्रिक देशों में चुनाव के बाद सरकारें बदलती रहती है। इससे सरकारी नीतियों एवं कार्यक्रमों में परिवर्तन हो जाता है। इससे आर्थिक विकास की गति प्रभावित होती है।

3. अकुशलता :–मिश्रित अर्थव्यवस्था में पूंजीवाद एवं समाजवाद दोनों के दोष विद्यमान रहते हैं। इस प्रणाली में न तो नियोजन तंत्र ठीक ढंग से कार्य कर

पाता है और न ही बाजार यंत्र क्रियाशील हो पाता है। इससे अर्थव्यवस्था में अकुशलता फैल जाती है।

4. निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन नहीं :– इस प्रणाली में सरकार सार्वजनिक क्षेत्र को अधिक महत्व देती है। फलतः निजी क्षेत्र की उपेक्षा होती है।सरकार नीतियों एवं कार्यालय भी निजी क्षेत्र के हित में नहीं होते। फलतः निजी क्षेत्र का समुचित विकास नहीं होता।

5. विदेशी पूंजी का आगमन :– सार्वजनिक क्षेत्र के विस्तार हेतु सरकार विदेशी पूंजी को आमंत्रित करती है। इससे देश में विदेशी शक्तियों का प्रभाव बढ़ जाता है। विदेशी शक्तियां देश की राजनैतिक व्यवस्था को भी प्रभावित करती है।

6. व्यावहारिकता का अभाव :– मिश्रित आर्थिक प्रणाली में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र दोनों साथ–साथ कार्य करते है। इससे एक पक्ष को जो नीतियां लाभ्दायक होती है, वे दूसरे पक्ष के लिए हानिप्रद हो सकती है। निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्रों में समन्वय के अभाव में परस्पर प्रतियोगिता हो जाती है। परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

मिश्रित अर्थ व्यवस्था का अर्थ लिखने पर 1 अंक एवं कोई चार दोष लिखने पर 4 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. मृदा अपरदन के कारण –

मृदा अपरदन के कारण निम्न है –

1) वनों का विनाश – कृषि के लिए भूमि का विस्तार करने तथा जलाने व इमारती लकड़ी की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए पिछले वर्षों से वनों का विनाश हो रहा है। फलतः पानी को नियन्त्रित करने की शक्ति घटी है और भूमि का कटाव बढ़ गया है।

2) अत्यधिक पशु चारण–पशु चारण से नियंत्रण न रखने से भी जंगलों की घास काट ली जाती है अथवा जानवरों द्वारा चर ली जाती है इससे भूमि की ऊपरी परत हट जाती है, और भूमि कटाव होने लगता है।

3) आदिवासियों द्वारा झूंमिग कृषि करना –

हमारे देश में अनेक स्थानों पर आदिवासी जंगलों को साफ करके खेती करते है। फिर उस भूमि को छोड़कर दूसरे स्थानों पर चले जाते हैं, जिससे पहले वाली भूमि पर कटाव की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

4) पवन अपरदन –

इस तरह का कटाव वनस्पति का आवरण हटने से होता है। भू–गर्भ में पानी की सतह से अत्यधिक नीचे चले जाने से भी वायु अपरदन होता है।

5) भारी वर्षा –

मिट्टी का कटाव भारी वर्षा से होता है, क्योंकि मिट्टी कटकर बह जाती है। वास्तव में पानी से होने वाले कटाव तीन तरह के होता है–पहला परत का कटाव फिर, नाली का कटाव और अन्त में बाढ़ का कटाव।

मृदा संरक्षण –

मृदा संरक्षण के लिए निम्न उपाय किए जा सकते है।

(1) मिट्टी की उर्वरक बनाए रखने के लिए रासायनिक उर्वरकों के साथ–साथ जैविक खादों को भी प्रयोग में लाना।

(2) वृक्षा लगाकर मृदा अपरदन रोकना।

(3) खेती की ऊंची मेड़ बनाना।

(4) ग्रामीण क्षेत्रों में चरागाहो का विकास करना।

(5) पर्वतीय भागों में सीढ़ीनुमा खेत बनाना।

चार कारण पर 4 अंक दो संरक्षण के उपाय पर 4 अंक कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

वनों से होने वाले प्रत्यक्ष लाभ :–

1. लकड़ी की प्राप्ति :– वनों से प्राप्त लकड़ी एक महत्वपूर्ण ईंधन है। वृक्षों से सागोन, साल, देवदार, शीशम, आबनूस चंदन आदि की लकड़ियां मिलती है।

2. गौण पदार्थों की प्राप्ति :– वनों से बांस, बेंत, लाख, साल, शहद, गोंद , चमड़ा रगने के पदार्थ, जड़ी बूटियां आदि गौण पदार्थ प्राप्त होते हैं।

3. चरागाह :– वन पशुओं के उत्तम चरागाह व निवास स्थल होते है। जहां जानवरों के लिए भोजन भी प्राप्त होता है।

4. रोजगार :– वनों से प्राप्त कच्चे पदार्थों के आधार पर उद्योग चलते है जिससे कई लोगों को रोजगार मिलता है।

5. विदेशी मुद्रा का अर्जन :– वनों से प्राप्त लाख, तारपीन तेल, चंदन लकड़ी से निर्मित कलात्मक वस्तुएं निर्यात करने से विदेशी मुद्रा का अर्जन होता है।

अप्रत्यक्ष लाभ :–

1. जलवायु को सम बनाए रखना :– वन जलवायु को मृदु बनाकर गर्मी और सर्दी की तीव्रता को कम करते है।

2. वर्षा में सहायक : वाष्पोत्सर्जन क्रिया तथा वनों की नमी के कारण बादल नमी प्राप्त कर वर्षा करते है।

3. बाढ़ों से रक्षा :– वन पानी के वेग को कम करते है तथा बाढ़ के पानी को सोख लेते है जिससे बाढ़ पर नियंत्रण होता हैं

4. भूमि के कटाव पर रोक :– वन भूमि के कटाव को रोकते है जिससे मृदा की ऊपरी सतह नहीं बह पाती और भूमि के आवश्यक पोषक तत्वों में कमी नहीं होती।

5. उर्वराशक्ति में वृद्धि :– वृक्षों के पत्ते, घास, पेड़ व पौधे झाड़ियां आदि भूमि पर गिरकर सड़कर ह्यूमस का निर्माण करती है और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाती है।

तीन प्रत्यक्ष व तीन अप्रत्यक्ष लाभों का वर्णन करने पर कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. कश्मीर समस्या : कश्मीर की समस्या भारत व पाकिस्तान के बीच एक जटिल समस्या है। स्वतंत्रता के समय दो नये राज्य बने, तो देशी रियासतों को स्वतंत्रता दी गई कि वह अपनी इच्छानुसार भारत या पाकिस्तान में विलय हो सकती है या स्वतंत्र रह सकती है। अधिकांश रियासतें भारत या पाकिस्तान में मिल गई।

कश्मीर के राजा हरिसिंह ने अपनी रियासत जम्मू–कश्मीर को स्वतंत्र रखने का निर्णय लिया। राजा हरिसिंह का विचार था कि यदि कश्मीर पकिस्तान में मिलता है तो जम्मू को हिन्दू जनता और लद्दाख की बौद्ध जनता के साथ अन्याय होगा और यदि वह भारत के साथ मिलता है तो मुस्लिम जनता के साथ अन्याय होगा। अतः उसने यथा स्थिति बनाये रखी और विलय के विषय में कोई निर्णय नहीं लिया। 22 अक्टूबर 1947 उत्तर–पश्चिम सीमा प्रांत के कबाइलियों व अनेक पाकिस्तानियों ने कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। पाकिस्तान कश्मीर को अपने में मिलाना चाहता था अतः सेना को इकट्ठा कर अपनी सीमाओं पर हमला कर दिया। आक्रमण कारी श्रीनगर से 25 मील दूर बारामूला तक आ पहुंचे। कश्मीर के शासक ने आक्रमण से राज्य की सुरक्षा हेतु भारत सरकार से सैनिक सहायता मांगी, साथ ही कश्मीर को भारत में मिलने की प्रार्थना की। भारत सरकार ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और भारतीय सेनाओं को कश्मीर भेज दिया।

भारतीय प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने यह आश्वासन दिया कि युद्ध समाप्ति पर जब कश्मीर में शांति स्थापित हो जायेगी तब कश्मीर की जनता जनमत संग्रह के आधार पर निश्चत करेगी कि वह किसके साथ मिलना चाहती है। प्रारंभ में पाकिस्तान सरकार ने अधिकारिक रूप से कश्मीर के बारे में कोई मत व्यक्त नहीं किया था अतः भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार से कबाइलियें का मार्ग बंद करने को कहा, परंतु जब इस बात के प्रमाण मिलने लगे कि पाकिस्तान सरकार कबायलियों की सहायता कर रही है तो गर्वनर जनरल माउन्टबेटन की सलाह पर जनवरी 1948 को भारत सरकार ने सुरक्षा

परिषद में यह शिकायत की, कि कबायलियों ने पाकिस्तान से सहायता प्राप्त करके भारत के एक अंग कश्मीर पर आक्रमण कर दिया है जिससे अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो गया है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने इस समस्या के समाधान के लिए पांच राष्ट्रों चेकोस्लावाकिया, अर्जेटाइना, अमेरिका, कोलम्बिया व बेल्जियम के सदस्यों का दल बनाया।

(कश्मीर समस्या का संक्षिप्त वर्णन करने पर 4 अंक देशों के नाम लिखने पर 2 अंक कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

निम्नांकित बिन्दुओं के आधार पर भारत और बांग्लादेश के सम्बन्धों को स्पष्ट किया गया है।

1. स्वतंत्र बांग्लादेश की घोषणा – 26 मार्च 1971 को शेख मुजीब के नेतृत्व में स्वतंत्र बांग्लादेश की घोषणा गुप्त रेडियो से की गई। इसके साथ ही पश्चिमी पाकिस्तान का दमनचक्र शुरू हुआ। अंततः 17 अप्रैल, 1971 को बांग्लादेश में स्वतंत्र प्रभुसता सम्पन्न गणतंत्र की घोषणा की गई और विश्व की सरकारों से मान्यता प्रदान करने का आग्रह किया। मुक्ति संघर्ष के दौरान लगभग एक करोड़ बांग्लादेशी शरणार्थी भारत में आ गये थे। इसका सीधा प्रभाव भारत की सुरक्षा व एकता–अखण्डता पर भी पड़ रहा था। बांग्लादेश की समस्या के समाधान के लिए भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने कई पश्चिमी राष्ट्रों की यात्रा की किन्तु उन्हें पूर्णतः सफलता नहीं मिली। अंततः 3 दिसम्बर 1971 को भारत–पाकिस्तान के मध्य युद्ध शुरू हो गया।

2. बांग्लादेश को मान्यता :– बांग्लादेश के तत्कालिन विदेश मंत्री के अनुरोध पर भारत ने 6 दिसम्बर, 1971 को ही बांग्लादेश ने हुसैन अली को भारत में अपना प्रथम राजदूत नियुक्त कर दिया।

3. भारत–बांग्लादेश की प्रथम सन्धि :– 10 दिसम्बर 1971 को भारत के साथ बांग्लादेश की प्रथम सन्धि हुई। इस सन्धि में भारत सैनिक और आर्थिक आधार पर स्वतंत्र बांग्लादेश के पुनर्निर्माण के लिए तैयार हुआ। सन् 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के पराजित होते ही बांग्लादेश की सरकार ढाका में स्थापित हो गई। भारत को अंतर्राष्ट्रीय जनमत के समक्ष घुटने टेकते हुए पाकिस्तान को 8 जनवरी, 1971 को आवामी लीग नेता शेख मुजीबुर्रहमान को रिहा करने पर बाध्य होना पड़ा। रिहाई के बाद शेख ने भारत के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

4. भारत–बांग्लादेश की द्वितीय सन्धि :–

बांग्लादेश को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से भारत बांग्लादेश की द्वितीय सन्धि हुई भारत और भूटान के बाद एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में बांग्लादेश के पूर्वी जर्मनी, नेपाल, बर्मा आदि देशों ने भी मान्यता दे दी। जनवरी 1972 में काहिरा में अफ्रेशियाई देशों का एकता सम्मेलन हुआ। जिसमें बांग्लादेश को स्थायी सदस्य बनवाने में भारत ने अपना बड़प्पन दिखाया। भारत ने बांग्लादेश के साथ व्यापार और सांस्कृतिक समझौते भी किये। 9 अगस्त 1972 को भारत ने बांग्लादेश को संयक्त राष्ट्र संघ के सदस्य राष्ट्रों के रूप में मान्यता दिये जाने को समर्थन किया परंतु चीन द्वारा वीटो पावर से इस कार्य में भारत को सफलता नहीं मिली।

उपरोक्तानुसार विस्तार देने पर पूर्ण 6 अंक प्राप्त होंगे।

– – – – – –